

श्री गणेशप्रसाद वर्णी जैन ग्रन्थमाला २, २.

## वर्णी-वाणी



सङ्कलयिता और सम्पादक:—

विद्यार्थी “नरेन्द्र” काव्यतीर्थ, साहित्यशास्त्री  
धनगुवाँ ( छतरपुर )

प्रकाशक:—

श्री गणेशप्रसाद वर्णी जैन ग्रन्थमाला

भदैनोघाट, काशी